हर हालत में नियंत्रण जी०आर०पी० का ही हो सकता है। एक तो यह हम लोगों ने उपाय किया है कि कमी है तो आर०पी०एफ० के लोग उनके साथ जाएंगे। जो बहुत ज्यादा क्राइम-प्रान एरिया है, वहां हम लोगों ने आर०पी०एफ० का डिपलायमेंट किया है और फिर हर प्रमुख रेलवे स्टेशन पर हम लोगों ने एक असिस्टेन्स बूथ बनाया है। आर०पी०एफ० असिस्टेन्स बूथ बनाया है। अगर कोई अपराध की घटना घटती है तो पहले उसकी एफ०आई०आर० दर्ज कराने के लिए, रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए लोगों को इधर-उधर भागना पड़ता था, अब असिस्टेन्स बूथ में आर०पी०एफ० के लोग उनकी रिपोर्ट ले लेंगे और वे दर्ज कराएंगे उसे थाने में। इस तरह का उपाय किया जा रहा है, लेकिन जो स्टेटस का राइट है, उसमें हम एनक्रोच नहीं कर सकते है। स्थिति संतोषजनक नहीं है, यह सबको सोचना होगा और यह बात ठीक है कि अगर कोई घटना अपराध की रेल में घटती है तो उससे छवि रेल की ही बिगड़ती है, लोग इस बात की चर्चा नहीं करते है कि इसकी पूरी जवाबदेही वहां की राज्य पुलिस की है या वहां के राज्य की गवर्नमेंट के रेलवे पुलिस ही है। मैं इस पूरी स्थिति को आप सब लोगों के सामने रखना चाहता हूं कि आज परिवर्तन की जरूरत है। इस पर सबको सोचकर इसमें परिवर्तन करना होगा। स्टेटस पैपर में मैंने इस बात का उल्लेख किया है। अगर बहस के बाद कोई नतीजा सामने आता है तो उस कन्सेन्स के आधार पर जो भी कानून में तब्दीली करने की बात आएगी, उस पर विचार किया जा सकता है और वह भी बहस के बाद और कन्सेन्स के आधार पर, सरकार सू-मोटो कुछ नहीं करना चाहती।

श्री एन०के०पी० साल्वे: तो शुरू कीजिए।

श्री नीतीश कुमार : वह पेपर रख दिया है।

*47. *[The questioner (Shri Amar Singh) was absent for answer, vide Col. 33 infra.]*

Conversion of MG/NGs lines into broadgauge in Gujrat

*48. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the State Government of Gujarat has sent proposals for conversion of meter gauge/narrow gauge railway lines into broadgauge railway lines;

(b) if so, the details thereof;

(c) the number of such lines that have so far been converted;

(d) the number of MG/NGs under consideration of Government; and

(e) the expected time by when a decision will be taken?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the Rajya Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) to (e) The details are as under:

	Proposal	Position regarding status of work, consideration of project.	Expected time for decision
1.	Gauge conversion of Rajkot-Veraval and its extension upto Kodinar/ Somnath	Work is in progress for Rajkot-Veraval portion. A survey for extension of line upto Kodinar /Somnath has been taken up.	Rajkot-Veraval- already decided. Veraval-Kodinar- Decision will be taken after receipt of the survey report.
2.	Gauge conversion of Surendernagar, Dhola-Dhasa-Mahuva with extension upto Pipavav	Work has been sanctioned. Preliminary arrangements for starting the work are on hand.	Decision already taken.

1	2	3	4
3.	Gauge conversion of Viramgam-Mehsana railway line (A part of Bhildi-Viramgam project).	Work has been Sanctioned. Preliminary arrangement for starting the work are being made.	Decision already taken.
4.	Gauge conversion of Mehsana-Patan MG line(A part of Bhildi-Viramgam project).	The work on Mehsana-Patan section has at present been accorded low operational priority.	-do-
5.	Gauge conversion of Navlakhi-Dahinsara, Morbi-Wankaner and Dahinara-Maliya miyana railway line.	Work has been sanctioned. Preliminary arrangements for starting the work are being made.	-do-
6.	Gauge conversion of Gandhidham-Bhuj-Nalia railway line	Work on Gandhidham-Bhuj is in Progress. A survey has been taken up for gauge conversion of Bhuj-Nalia section.	Gandhidham-Bhuj-already decided. Bhuj-Naliya-Decision will be taken after receipt of the survey report.
7.	Gauge conversion of Gandhidham-Samakhiali-Palanpur MG line	A survey has been included in 1997-98 budget.	Decision will be taken Shortly.
8.	Gauge conversion of Dharangadhara -Kuda Salt siding.	This work has been included in the Supplementary Budget 1997-98. Work is to be executed on cost sharing basis with the Government of Gujarat and Ministry of Industry and will be started as soon as co-shares comeforth with their share of funds.	Decision already taken.
9.	Gauge conversion of Bharuch-Dahej	Bharuch-Dahej has been covered in the proposed 3rd line from Ahmedabad to Virar for which survey report is under finalisation.	Decision will be taken after the finalisation of the survey report.
10.	Ankleshwar-Rajpipla NG line into BG.	Surveys conducted in the past have revealed inadequate traffic prospects. As such, we have not been able to consider taking up the work.	Decision arleady taken.

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे: सबसे पहले तो मैं इस सरकार के दोनों मंत्री महोदयों को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं कि गुजरात के जो दस प्रपोजल थे उनमें से सात प्रपोजल पर इन्होंने डिसीजन ले लिया है। बहुत बहुत धन्यवाद। सभापति महोदय, एक डिवीजन अभी जो आपने नहीं लिया है, वह बहुत महत्वपूर्ण रेलवे लाइन है, मैं बताना चाहूंगा कि जो वेस्टर्न कोस्ट पर कांडला पोर्ट है वहां से काफी इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट होता है, पूरे राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश से कारगो आती जाती रहती है। यह समखियाली से पालनपुर लाइन महत्वपूर्ण है। कांडला पोर्ट ने इस साल देश के जो दूसरे पोर्ट हैं उन सबसे ज्यादा मुनाफा कमाया है। कांडला पोर्ट ने मंत्रालय के पास एक प्रपोजल भी रखी है कि कांडला पोर्ट इस लाइन में कन्वर्शन के लिए आपकों मदद करना चाहता है। तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या यह प्रपोजल आपको मिली है? और, अगर मिली है तो सरकार, रेलवे मंत्रालय कांडला पोर्ट के साथ मिलकर समखियाली से पालनपुर तक की लाइन गेज परिवर्तन के लिए तैयार है या नहीं?

श्री नीतीश कुमार: सभापति जी, इनके प्रश्न के मेजर हिस्से का जबाब देना तो आज संभव है नहीं। अब कुछ ही देर की बात है, क्या होने वाला है, क्या कर सकते हैं, उसका उल्लेख तो कुछ ही क्षणों के बाद हम कर सकते हैं।....(**व्यवधान**)...

श्री राम नाईक: इंतज़ार कीजिए 12.00 बजे तक।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे: दूसरा मेरा सवाल यह है कि भुज गांधी धाम, जो सिर्फ 55 किलोमीटर की लाइन है, उसका काम प्रोग्रेस में है, मैं यह जानना चाहता हूं कि उसका काम कब तक पूरा हो जाएगा?

श्री नीतीश कुमार: अब यह कब तक पूरा हो जाएगा, इसके बारे में अधिकारिक तौर पर तत्काल तो कुछ भी कहना कठिन है। इसके लिए यह अलग से मुझसे मिल सकते हैं और उसकी पूरी डिटेल्स देखकर उसके संबंध में इनको बताया जा सकता है।

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल: सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि जो प्रपोज़ल नैरो गेज़ या मीटर गेज़ को ब्रॉड गेज़ में कन्वर्शन के लिए लाई जाती हैं, ये चाहे गुजरात में हों या अन्य स्टेट्स में हों, तो उसकी कोई अल्टरनेटिव व्यवस्था नहीं होती हैं, सब लाइन्स बंद हो जाती हैं और ये प्रोजेक्ट्स सालों तक चलते रहते हैं तो इससे यात्रियों को यातायात में तकलीफ होती है। और जो लोग रेग्युलर तौर पर सर्विस के लिए आते-जाते हैं, उन लोगों का अपनी सर्विस पर टाइम पर आना-जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। तो मैं जानना चाहती हूं कि क्या मंत्री जी ऐसा कुछ तय करेंगे कि जहां पर ब्रॉड गेज़ कन्वर्शन होता है, वहां पर कोई अल्टरनेटिव फैसिलिटी मिल सके?

दूसरे मैं एक स्पेसिफिक बात कहना चाहती हूं कि डभोई के आसपास की जो नैरो गेज़ रेलवे लाइन है, इस रेलवे लाइन को ब्रॉड गेज़ में कन्वर्शन के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन यह सब एरिया का नैरो गेज़ से कन्वर्शन वॉयबल नहीं है, ऐसी रिर्पोट आई है। तो कन्वर्शन भी बंद हो गया, नैरो गेज़ भी बंद हो गया, कोई अल्टरनेटिव व्यवस्था भी नहीं रही, यह स्थिति आज है। तो मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि वह इस बारे में क्या करेंगे?

जो प्रताप नगर छोटा उदयपुर लाइन है, उसके दो ब्रिजिस टूटे हुए है, इसके बारे में उन्होंने क्या तय किया है? तो यह एक जनरल और दो स्पेसिफिक बात मुझे पूछनी हैं।

श्री नीतीश कुमार: महोदय, जब भी गेज़ कनवर्शन का काम होता है तो पुरानी सेवा को बंद किया जाता है क्योंकि काम जब चल रहा तो तो दोनों बात एक साथ संभव हैं नहीं और गेज़ कन्वर्शन के बारे में एक पापुलर डिमांड होती है तो कठिनाई तो आती है लोगों को और जहां तक एक स्पेसिफिक मामले के बारे में उन्होंने पूछा है, अभी दो दिन पहले उन्होंने मुझसे मुलाकात की है और उन्होंने अपनी बात कही है, हम उनके मामले पर गौर कर रहे हैं और उनसे पुन: बातचीत करके जो भी उसका समाधान होगा, उसको हम निकालने की कोशिश करेंगे।

श्री ओंकार सिंह लखावत: सभापति महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने अभी गुजरात से जुड़े हुए आमान परिवर्तन के बारे में कुछ स्वीकृतियां जारी करने के बारे में जानकारी प्रस्तुत किया है, परन्तु यह वीरमग्राम से भीलड़ी वाली जो रेल लाइन है, उसमें से जो भिलड़ी वाला हिस्सा है उसको जब तक कनेक्ट नहीं करेंगे तो उसके कारण से मारवाड़ जंक्शन के पास में ब्रॉड गेज़ का आमान परिवर्तन हो गया इसलिए पश्चिमी राजस्थान का बहुत बड़ा हिस्सा आवागमन की दृष्टि से, माल ढुलाई की दृष्टि से वंचित हो रहा है। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि भीलड़ी तक का गेज़ परिवर्तन का कार्य तब तक पूरा करने की सरकार की मंशा है, इसको कब पूरा कर देंगे?

श्री नीतीश कुमार: कब तक पूरा हो जाएगा, इसके बारे में स्पेसिफिक डेट बताना संभव नहीं है।

श्री ओंकार सिंह लखावत: कब शुरू कर देंगे?

श्री नीतीश कुमार: इसके संबंध में निर्णय होने के बाद काम शुरू करने में कुछ वक्त लगता है, कई ढंग की स्थिति होती है, कई मामलों में निर्णय लिया जाता है, कुछ फाइनल लोकेशन सर्वे भी करने पड़ते हैं, कुद अन्य तरह की दिक्कतें भी आती हैं, तो उसको करके ही जितनी जल्दी हो सकता है उसको हम शुरू कराएंगे, जिसके बारे में निर्णय लिए जा चुके हैं। वह स्थिति सभी वैसे प्रोजेक्टस के बारे में लागू है, जिनके बारे में निर्णय लिए जा चुके हैं।

श्री ओंकार सिंह लखावत : क्या इसके बारे में निर्णय लिया गया है?

श्री नीतीश कुमार: निर्णय लिया जा चुका है और जो भी आगे की कार्रवाई होगी, यथाशीघ्र की जाएगी।

Mid-Day Meal Scheme

*49. SHRI KULDIP NAYYAR: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether mid-day meal scheme has been introduced in all the schools in all the States; and if not, the reasons therefor;

(b) the names of the States alongwith the number of schools where this scheme has not been introduced; and

(c) the time by when it will be introduced?

THE MINSITER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) The National Programme of Nutritional Support to Primary Education, popularly known as Mid-day Meals scheme, has been introduced in all States and Union Territories since its commencement in August, 1995. According to available infromation about 9.80 crore children in primary classes ((I-V) in approximately 6.88 lakh Government Local Body and aided schools would be covered by the scheme in 1998-99.

(b) and (c) Do not arise.

SHRI KULDIP NAYYAR: It it a fact that some States, after the introduction of the Mid-Day Meal Scheme, have abandoned it?

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: No such information is available with us.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Losses in PSUs

*42. SHRI DILIP SINGH JUDEV: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the total number of PSU under his Ministry so far established in the country with details of annual production capacity in each case;

(b) the number out of these units which are running in losses alongwith the reasons therefor;

(c) what are the details of the losses incurred by each of these units during the last three years, yearwise; and

(d) the remedial measures so far taken in this context?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (d). An Annexure is given [*See* Appendix 184 Anneexure No. 12]

Preservation of Srijagannath Temple, Puri

*45. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the present condition of the Srijagannath Temple, Puri, in Orissa;

(b) whether that 12th century temple needs urgent attention of Government for its preservation; and

(c) if so, the steps taken by Government in that regard during the last three years?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) and (b) Srijagannath Temple is a centrally protected monument since 1975. The Archaeological Survey of India has been undertaking comprehensive structural conservation and chemical preservation of the temple, as is necessary from time to time. The monument is in a good state of preservation and its upkeep is constantly under review.

(c) During the last three years, the conservation works undertaken in the Jagannath Puri Temple Complex include the deplastering